# FD-202

M.A. 1st Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

## HINDI

Paper - II

## प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
## (रासो काव्य, लौकिक एवं निर्गुण काव्य)

*Time* : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

**नोट** : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

**1.** निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) मनहुं कला ससिभान, कला सोलह सो बन्निय।
बाल बेस ससि ता समीप, अम्रित रस पिन्निय॥
बिगसि कमल म्रिग भ्रमर, बैन षंजन मग लुट्टिय।
हरि कीट अरु बिम्ब, मोति नष सिष अहिघट्टिय॥

छप्पति गयन्द हरि हंस गति, बिह बनाय संचै सजिय।

पदमिनिय रूप पदमावतिय, मनहुं काम कामिनि
रायि॥

*अथवा*

देख-देख राधा रूप अपार।

अपुरूब के बिहि आनि मिला ओल, खिति-तल
लावनि-सार॥

अंगहि अंग अनँग मुरछायत, हेरए पड़ए अथीर।

मनमथ कोटि-मंथन करू जे जन, से हेरि महि-
मधि गीर॥

कत कत लखिमी चरन-तल ने ओछए, रंगिनी हेरि
विभोरि।

करू अभिलाख मनहि पद पंकज, अहोनिसि कोर
अगोरि॥

(ख) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार।

लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार॥

राम नाम के पटतरै, देबै को कछु नाहिं।

क्या ले गुरु संतोषिए, हौंस रही मन मांहि॥

*अथवा*

मेरा मन सुमिरै राम कूँ, मेरा मन रामहिं आहि।
अब मन रामहिं ह्वै रह्या, सीस नवाबौं काहि॥
तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ।
वारी फेरी बलि गई, जित देखौं तित तूँ॥

(ग) पिउ वियोग अस बाउर जीऊ। पपिहा निति बोले पिउ पीउ॥
अधिक काम दाघै सो रामा। हरि लेइ सुवा गएउ पिउ नामा॥
बिरह बान तस लाग न डोली। रक्त पसीज, भीजि गई चोली॥
सूखा हिया, हार भा भारी। हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी॥
खन एक आव पेट महँ! सासा। खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा॥

***अथवा***

रोइ गँवाए बारह मासा। सहस सहस दुख एक एक साँसा॥
तिल तिल बरख बरख पर जाई! पहर पहर जुग जुग न सेराई॥
सो नहिं आवै रूप मुरारी। जासों पाव सोहाग सुनारी॥
सांझ भए झुरि झुरि पथ हेरा। कौनि सो घरि करै पिउ फेरा॥
दहि कोइला भइ कंत सनेहा। तोला माँसु रही नहि देहा॥

**2.** रासो काव्य परम्परा में 'पृथ्वीराज रासो' के काव्य-वैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए। 10

*अथवा*

'पद्मावती समय' की नायिका पद्मावती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

**3.** कबीर के समाज सुधारक रूप का वर्णन कीजिए। 10

*अथवा*

जायसी के 'काव्य-सौष्ठव' का वर्णन कीजिए।

**4.** विद्यापति की शृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए। 10

*अथवा*

संत काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

**5.** निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(*i*) प्रेमाश्री शाखा की विशेषताएं लिखिए।

(*ii*) रसखान की भाषा की विशेषताएं लिखिए।

(*iii*) निर्गुण काव्य-धारा की चार विशेषताएं लिखिए।

(*iv*) रहीम के दो नीतिपरक दोहे लिखिए।

(*v*) मीराबाई की भक्ति-भावना को लिखिए।

(*vi*) रैदास की भक्ति-भावना को समझाइए।

(*vii*) अमीर खुसरो की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(*viii*) रसखान की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(*ix*) 'सबद' का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।

(*x*) अद्वैत का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।

**6.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) 'कबीर ग्रंथावली' पुस्तक के संपादक कौन हैं?

(*ii*) कबीर के गुरु का नाम क्या है?

(*iii*) प्रेममार्गी शाखा के प्रमुख कवि कौन हैं?

(*iv*) 'कीर्तिलता' किसकी रचना है?

(*v*) 'अखरावट' किसकी रचना है?

(*vi*) 'पद्मावत' में हीरामन तोता किसका प्रतीक है?

(*vii*) रसखान के अराध्य कौन थे ?

(*viii*) 'विद्यापति पदावली' पुस्तक के संपादक कौन हैं ?

(*ix*) मीराबाई के गुरु कौन थे ?

(*x*) रहीम का पूरा नाम लिखिए।

(*xi*) कबीर को वाणी का डिक्टेटर किसने कहा है ?

(*xii*) 'प्रभुजी तुम चंदन हम पानी' किस कवि की पंक्ति है ?

(*xiii*) पहेलियों के कारण कौन प्रसिद्ध हुए ?

(*xiv*) कौन सी रचना में रसखान ने अपने को शाही खानदान का कहा है ?

(*xv*) 'रास पंचाध्यायी' किसकी रचना है ?

(*xvi*) अवधी भाषा में लिखित किसी एक महाकाव्य का नाम लिखिए।

(*xvii*) 'पृथ्वीराज रासो' महाकाव्य के नायक का नाम लिखिए।

(*xviii*) हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग किस काल को कहते हैं ?

(*xix*) कृष्णभक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए।

(*xx*) नन्द के नन्दन कहाँ पर धीरे-धीरे मुरली बजा रहे हैं ?

———